शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए अगस्त 2023 माह का मासिक सारांश:

अगस्त, 2023 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

(i) शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और विदेश मंत्रालय (एमईए) ने संयुक्त रूप से दिनांक 3 अगस्त, 2023 को स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) पोर्टल https://studyinindia.gov.in का शुभारंभ किया। यह पोर्टल सर्वश्रेष्ठ भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रदर्शित करता है और भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विदेशी छात्रों के लिए प्रवेश और वीजा आवेदनों संबंधी सहूलियतें इस पोर्टल पर उपलब्ध हैं। भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने के इच्छुक प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय छात्र हेतु अब एसआईआई पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पोर्टल संबंधित गतिविधियों के निर्बाध संचालन के लिए विदेशों में हमारे मिशनों और एफआरआरओ तक पहुंच प्रदान करता है।

(ii) संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित आईआईएम (संशोधन) अधिनियम, 2023 के कानून बनने के बाद, उच्चतर शिक्षा विभाग ने आईआईएम (संशोधन) अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन हेतु दिनांक 16.08.2023 को अधिसूचना जारी की। संशोधन अधिनियम के पारित होने के साथ, राष्ट्रीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान (एनआईटीआईई) भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) मुंबई बन गया है।

(iii) शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (गृह मंत्रालय) के असाधारण सहयोगात्मक प्रयास से कवच-2023 साइबर सुरक्षा हैकाथॉन का दिनांक 8 से 10 अगस्त, 2023 तक सफल समापन हुआ। हमारे नवोन्मेष उत्सव कवच-2023, ने उदीयमान प्रतिभाओं से 3900 से अधिक प्रभावशाली विचार प्राप्त किए। ग्रैंड फिनाले में 106 विविध टीमों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया, जिसमें 99 टीम कॉलेजों से और 7 स्टार्टअप दुनिया से थीं।

(iv) उच्च शिक्षण संस्थान (एचईआई) आमूल-चूल परिवर्तनों पर चर्चा करने के लिए अपने परिसरों में अमृत काल विमर्श - एक विकास संवाद का आयोजन कर रहे हैं, जिसने विकसित भारत @ 2047 की नींव रखी है। शिक्षण, प्रशासन, खेल, संगीत और सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में प्रतिष्ठित हस्तियां परिसरों का दौरा कर रही हैं और पर्याप्त प्रभाव डालने वाले विभिन्न विकास कार्यक्रमों/मुद्दों/नीतियों/विषयों पर बातचीत कर रही हैं/व्याख्यान दे रही हैं। इस श्रृंखला में पहला कार्यक्रम दिनांक 31 अगस्त, 2023 को हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय विदेश मंत्री ने जी20 अध्यक्षता और इसके वैश्विक प्रभाव पर एक भाषण दिया और छात्रों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में लगभग 1400 छात्रों और संकायों ने भाग लिया।

(v) जी-20 एडडब्ल्यूजी बैठकों के साथ बनी गति को बरकरार रखते हुए, दिनांक 26 अगस्त, 2023 को खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमएमटी), भुवनेश्वर में शोध पत्रिकाओं के

लिए विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित प्रकाशन हाउस स्प्रिंगर नेचर के सहयोग से एक शोध सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जिनमें पीएचडी विद्वान, पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकी कंपनियां आदि शामिल हैं। इसके विषय, भारत में अनुसंधान परिदृश्य को बढ़ाने, उभरती प्रौद्योगिकी की क्षमता की खोज, अनुसंधान में विविधता, समानता और समावेशन को आगे बढ़ाने और विज्ञान अनुसंधान के नैतिक और सामाजिक निहितार्थों की खोज जैसी थीम पर आधारित थे। माननीय शिक्षा मंत्री ने सभा को संबोधित किया।

(vi) आईआईटी, भिलाई, आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी जम्मू, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम अमृतसर, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम, आईआईएसईआर बेरहामपुर, एनआईटी गोवा और एनआईटी मणिपुर की महत्वपूर्ण अवसंरचना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव स्तर पर सीपीडब्ल्यूडी के महानिदेशक के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक के बाद इस मामले को सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के समक्ष दिनांक 22.08.2023 के अ.शा. पत्र के माध्यम से उठाया गया है, ताकि उन परियोजनाओं, जिनमें से अधिकांश 31.12.2023 तक पूरी होने वाली हैं, को समय पर पूरा करने के लिए इसमें हस्तक्षेप किया जा सके।

(vii) दिनांक 14 अगस्त, 2023 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस से संबंधित गतिविधियां विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई), स्वायत्त निकायों आदि में आयोजित की गईं। ऐसा ही एक कार्यक्रम भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) द्वारा दिनांक 14 से 18 अगस्त, 2023 तक भुवनेश्वर में आयोजित 'भारत के विभाजन की कहानी' पर पांच दिवसीय प्रदर्शनी थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन ओडिशा के माननीय राज्यपाल और माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा किया गया था। भुवनेश्वर और कटक के आसपास के 40 से अधिक स्कूलों, 12 कॉलेजों और 4 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

(viii) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की शर्तों के अनुरूप, 17 अगस्त, 2023 को भुवनेश्वर में माननीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री और माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा दो पुस्तकों "कुवी प्राइमर" और "देसिया प्राइमर" का विमोचन किया गया। ये दो किताबें ओडिशा के अविभाजित कोरापुट जिले में कुवी और देसिया आदिवासी भाषा बोलने वाले 3 से 8 साल के बच्चों के लिए एक सुदृढ़ शैक्षिक आधार तैयार करेंगी।

(ix) विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई), स्वायत्त निकायों आदि में 'हर घर तिरंगा' और 'मेरी माटी मेरा देश' से संबंधित अभियान चलाया गया। "मेरी माटी मेरा देश" संबंधी ऐसा ही एक कार्यक्रम दिनांक 17 अगस्त, 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के सदाशिव परिसर में आयोजित किया गया था। "मेरी माटी मेरा देश" की "शिलाफलकम का समर्पण" और "वसुधा वंदन" पहल के तहत, माननीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री और माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री ने शहीदों की याद में एक स्मारक पट्टिका स्थापित की; एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया; शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया; और कार्यक्रम के दौरान एक बड़ी सभा को पंच प्राण की शपथ दिलाई। माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री

द्वारा दिनांक 28 अगस्त, 2023 को आईआईटी, भुवनेश्वर में "मेरी माटी मेरा देश" पर इसी तरह के एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया था।

(x) माननीय शिक्षा व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री ने दिनांक 9 अगस्त 2023 को भारत में अमेरिका के राजदूत श्री एरिक गार्सेटी के साथ एक बैठक की, जिसमें शिक्षा और कौशल विकास पर भारत-अमेरिका कार्य समूह, छात्र गतिशीलता और योग्यता की पारस्परिक मान्यता, भारत में अमेरिका के सामुदायिक कॉलेज मॉडल की प्रतिकृति, भारत-यूएस ग्लोबल चैलेंज इंस्टीट्यूट और विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों की स्थापना के लिए यूजीसी नियमों आदि जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। माननीय शिक्षा मंत्री की एक और बैठक दिनांक 22 अगस्त, 2023 को यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन के निदेशक के साथ हुई। दोनों पक्षों द्वारा जून, 2023 में माननीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-यूएस ग्लोबल चैलेंज संस्थानों सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

****